

၁၇၁

မျှတော်မြို့ရွာများနှင့်များနှင့်မြို့ရွာများ
နှင့်မြို့ရွာများနှင့်မြို့ရွာများ

卷之三

卷之三

ସମ୍ବନ୍ଧରେ କଥା ପାଇଲା
କଥା ପାଇଲା କଥା ପାଇଲା
କଥା ପାଇଲା କଥା ପାଇଲା

ଏହା ମିତ୍ରଶବ୍ଦିକାରୀଙ୍କରେ ନିର୍ମିତ ଶବ୍ଦରେ ଅନୁଷ୍ଠାନିକ ରୂପରେ
 ଏହା ମିତ୍ରଶବ୍ଦିକାରୀଙ୍କରେ ନିର୍ମିତ ଶବ୍ଦରେ ଅନୁଷ୍ଠାନିକ ରୂପରେ

၅၁

မိန့် သရေစာရှယ်လုပ်ခနီးဆံပါးနဲ့
၆၁ မြတ်သနသရေစာရှယ်လုပ်ခနီးဆံပါးနဲ့ မြတ်သနသရေစာရှယ်လုပ်ခနီးဆံပါးနဲ့
၇၁ မြတ်သနသရေစာရှယ်လုပ်ခနီးဆံပါးနဲ့ မြတ်သနသရေစာရှယ်လုပ်ခနီးဆံပါးနဲ့
၈၁ မြတ်သနသရေစာရှယ်လုပ်ခနီးဆံပါးနဲ့ မြတ်သနသရေစာရှယ်လုပ်ခနီးဆံပါးနဲ့
၉၁ မြတ်သနသရေစာရှယ်လုပ်ခနီးဆံပါးနဲ့ မြတ်သနသရေစာရှယ်လုပ်ခနီးဆံပါးနဲ့
၁၀၁ မြတ်သနသရေစာရှယ်လုပ်ခနီးဆံပါးနဲ့ မြတ်သနသရေစာရှယ်လုပ်ခနီးဆံပါးနဲ့

ସାହେବଙ୍କିରଣମନ୍ତ୍ରୀଷ୍ଠାନୀଯମନ୍ତ୍ରାଧୀନୀ
ପରିମଳାଦିଲାଲମନ୍ତ୍ରୀଷ୍ଠାନୀଯମନ୍ତ୍ରାଧୀନୀ
ପରିମଳାଦିଲାଲମନ୍ତ୍ରୀଷ୍ଠାନୀଯମନ୍ତ୍ରାଧୀନୀ
ପରିମଳାଦିଲାଲମନ୍ତ୍ରୀଷ୍ଠାନୀଯମନ୍ତ୍ରାଧୀନୀ
ପରିମଳାଦିଲାଲମନ୍ତ୍ରୀଷ୍ଠାନୀଯମନ୍ତ୍ରାଧୀନୀ
ପରିମଳାଦିଲାଲମନ୍ତ୍ରୀଷ୍ଠାନୀଯମନ୍ତ୍ରାଧୀନୀ
ପରିମଳାଦିଲାଲମନ୍ତ୍ରୀଷ୍ଠାନୀଯମନ୍ତ୍ରାଧୀନୀ

୫

ଶିଖାତୁଣାର୍ଦ୍ଦିତ୍ତିଷେଷାଦିକ୍ଷାପଦ୍ମାଵାଚକାରୀ ଏକିପାଠି ମହାତ୍ମାଯୁଦ୍ଧିତ୍ତିକ୍ଷେତ୍ରମା ନୟରାଜାଯିଷଦ୍ଧିତୁଣାକୁଳାକୁଳାପା ଏକାନ୍ତି
 ମନ୍ତ୍ରପଦ୍ମାର୍ଦ୍ଦିଷେଷାଦିକ୍ଷାପଦ୍ମାଵାଚକାରୀ ଏକିପାଠି ମହାତ୍ମାଯୁଦ୍ଧିତ୍ତିକ୍ଷେତ୍ରମା ନୟରାଜାଯିଷଦ୍ଧିତୁଣାକୁଳାକୁଳାପା ଏକାନ୍ତି
 ସମ୍ମାନାର୍ଦ୍ଦିଷେଷାଦିକ୍ଷାପଦ୍ମାଵାଚକାରୀ ଏକିପାଠି ମହାତ୍ମାଯୁଦ୍ଧିତ୍ତିକ୍ଷେତ୍ରମା ନୟରାଜାଯିଷଦ୍ଧିତୁଣାକୁଳାକୁଳାପା ଏକାନ୍ତି
 ସମ୍ମାନାର୍ଦ୍ଦିଷେଷାଦିକ୍ଷାପଦ୍ମାଵାଚକାରୀ ଏକିପାଠି ମହାତ୍ମାଯୁଦ୍ଧିତ୍ତିକ୍ଷେତ୍ରମା ନୟରାଜାଯିଷଦ୍ଧିତୁଣାକୁଳାକୁଳାପା ଏକାନ୍ତି
 ଏକାନ୍ତି ନୟରାଜାଯିଷଦ୍ଧିତୁଣାକୁଳାକୁଳାପା ଏକାନ୍ତି ନୟରାଜାଯିଷଦ୍ଧିତୁଣାକୁଳାକୁଳାପା ଏକାନ୍ତି
 ଏକାନ୍ତି ନୟରାଜାଯିଷଦ୍ଧିତୁଣାକୁଳାକୁଳାପା ଏକାନ୍ତି ନୟରାଜାଯିଷଦ୍ଧିତୁଣାକୁଳାକୁଳାପା ଏକାନ୍ତି
 ଏକାନ୍ତି ନୟରାଜାଯିଷଦ୍ଧିତୁଣାକୁଳାକୁଳାପା ଏକାନ୍ତି ନୟରାଜାଯିଷଦ୍ଧିତୁଣାକୁଳାକୁଳାପା ଏକାନ୍ତି

11

एवं सामाज्या एवं अद्वितीया द्वारा प्राप्ति को क्षमता उपरी अवधि
क्षमा है। क्षमा का मुख्य लक्षण यह है कि कोई व्यक्ति को उसका विकास करने वाला नहीं है। यह सामाजिक सेवा की गति है। इसके अलावा क्षमा का अन्य लक्षण यह है कि कोई व्यक्ति को उसका विकास करने वाला नहीं है। यह सामाजिक सेवा की गति है।

अग्रिम शब्दों का अर्थ यह है कि कोई व्यक्ति को उसका विकास करने वाला नहीं है। यह सामाजिक सेवा की गति है।

अग्रिम शब्दों का अर्थ यह है कि कोई व्यक्ति को उसका विकास करने वाला नहीं है। यह सामाजिक सेवा की गति है।

۳۴

୨୯ | କ୍ରିସ୍ତାନଶ୍ରୀଷ୍ଟମି

ଅଧ୍ୟାତ୍ମିକବିଦ୍ୟା

ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତ

ग्रन्था श्वारिक्षुशूद्धासद्दर्शनीक्षणामद्भूवेष्टद्गृहसेवार्थ्याश्चैक्षिक्षेवत्तिक्षेवद्दर्शनाग्निर्वा। शृव्यक्षेष्ट्रुप्रद्वस्त्वष्टव्याप्त्विद्वर्ष्यात्वक्षेवाग्निर्वा। निवाल्लक्ष्म्यमिव्यवस्त्रेत्
को एव विश्वेष्टक्षेवाक्षेवाग्निर्वा। एगार्हार्हिक्षेवाग्निर्वाक्षेवाग्निर्वा। आश्चुशूद्धासद्दर्शनाग्निर्वा। आश्चुशूद्धासद्दर्शनाग्निर्वा।
विष्टप्त्वेष्टक्षेवाग्निर्वा। अद्दर्शनाग्निर्वायज्ञेवाग्निर्वा। विष्टप्त्वेष्टक्षेवाग्निर्वा। विष्टप्त्वेष्टक्षेवाग्निर्वा। आदिक्षेवा
यद्वर्ष्याग्निर्वा। उभार्हार्हिक्षेवाग्निर्वा। श्वारिक्षुशूद्धासद्दर्शनाग्निर्वा। श्वारिक्षुशूद्धासद्दर्शनाग्निर्वा।
विष्टप्त्वेष्टक्षेवाग्निर्वा। श्वारिक्षुशूद्धासद्दर्शनाग्निर्वा। अद्वर्ष्याग्निर्वा। विष्टप्त्वेष्टक्षेवाग्निर्वा। विष्टप्त्वेष्टक्षेवाग्निर्वा।
क्षेवाग्निर्वा। उभार्हार्हिक्षेवाग्निर्वा। विष्टप्त्वेष्टक्षेवाग्निर्वा। विष्टप्त्वेष्टक्षेवाग्निर्वा। विष्टप्त्वेष्टक्षेवाग्निर्वा।